REPORT

Shali Mata Peak Trek:
A Journey of Adventure, Self-Belief, and Spiritual Awakening

We are delighted to share the success of the recent Shali Mata Peak Trek, an inspiring journey of adventure, self-belief, and spiritual awakening undertaken by 35 students, including 27 girl students, from the Centre of Excellence, Government College Sanjauli, Shimla-06.

This expedition, organized by the Adventure Club in collaboration with the Department of Journalism and Mass Communication, aimed to provide an experiential learning opportunity that seamlessly blended adventure, education, and self-realization.

Encouragement from the Principal

Prior to the journey, Principal Prof. Bharti Bhagra extended her heartfelt encouragement, lauding the students' spirit, particularly the significant participation of 27 girls. She described the trek as a testament to the "We Too Can" attitude prevalent among today's youth. Prof. Bharti expressed her pride, noting that organizing such experiential, educational, and self-potential-building programs has been a generational tradition at the Centre of Excellence, Government College Sanjauli, fostering confidence, resilience, and leadership.

Organization and Leadership

The trek was convened and led by Prof. Sandesh Kalta, Assistant Professor, Department of Journalism and Mass Communication, and Prof. Lakhbeer Dhiman, Assistant Professor, Department of Environmental Science. Under their expert guidance, the entire event was conducted with utmost discipline, enthusiasm, and safety. Both faculty members motivated students throughout the journey, emphasizing teamwork, environmental sensitivity, and the importance of self-discovery through real-life experiences.

The Journey

The trekking group commenced its expedition from Government College Sanjauli at 7:00 a.m. on October 4, 2025. The team traveled by bus to Khatnol, the base village of the Shali Peak trail. From there, the challenging 7-kilometer trek, known for its steep gradients and rugged terrain, began at approximately 10:00 a.m. Filled with excitement and determination, the students navigated the forested trails, adorned with pine and deodar trees, capturing the essence of Himachal’s natural beauty.

After nearly three hours of continuous trekking, the group reached the Shali Mata Temple Peak, perched at an altitude of over 9,000 feet above sea level. The panoramic, "top-of-the-world" view from the summit offered breathtaking sights of the surrounding Himalayan ranges and the valley below. The sense of achievement and serenity among the students was palpable as they experienced not only the spiritual aura of the divine temple but also a deep sense of self-realization and accomplishment after the arduous climb.

****At the Summit****

The students spent approximately three hours at the sacred shrine, soaking in the spiritual energy of Maa Shali Mata’s sanctum sanctorum. The tranquil environment provided an opportunity for reflection, gratitude, and bonding with nature. The group also engaged in discussions about the cultural significance of the temple, the ecological importance of the region, and the imperative to preserve such pristine environments.

Return Journey and Reflections

The descent began at around 4:00 p.m., and by 9:00 p.m., all participants returned safely to their respective homes in Shimla—tired yet deeply fulfilled. What began as a test of endurance evolved into a transformative journey, strengthening the students physically, mentally, and spiritually.

The Shali Mata Trek was more than just a physical adventure; it was a holistic educational experience that reaffirmed the values of courage, discipline, teamwork, and perseverance. For many participants, especially the young women who formed the majority, it stood as a powerful symbol of empowerment and self-belief.

Such initiatives by the Centre of Excellence, Government College Sanjauli, continue to uphold its legacy of blending academic learning with experiential growth, thereby preparing students to face life's challenges with strength, awareness, and optimism.

Sincerely,

Adventure Club & Department of Journalism and Mass Communication, Centre of Excellence, Government College Sanjauli, Shimla-06

शाली माता शिखर ट्रेक : आत्म-विश्वास, साहस और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्‌भुत संगम

राजकीय महाविद्यालय संजौली, शिमला-06 (Centre of Excellence) के एडवेंचर क्लब एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 4 अक्तूबर 2025 को विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी एवं रोमांचक शाली माता मंदिर शिखर ट्रेक का सफल आयोजन किया गया। इस साहसिक अभियान में कुल 35 विद्यार्थी, जिनमें से 27 छात्राएँ थीं, ने न केवल पर्वतीय ऊँचाइयों को स्पर्श किया, बल्कि आत्मबल, सामूहिकता और आध्यात्मिक चेतना का भी अद्‌भुत अनुभव प्राप्त किया।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. भारती भागड़ा ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को ऐसे साहसिक प्रयासों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह ट्रेक “We Too Can” की भावना का जीवंत उदाहरण है — एक ऐसा संदेश जो आत्म-विश्वास, समान अवसर और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक बनता है। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं की उल्लेखनीय भागीदारी पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि राजकीय महाविद्यालय संजौली की यह दीर्घकालिक परंपरा रही है कि यहाँ शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन और अनुभव की गहराइयों तक पहुँचने का माध्यम बनती है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास—शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक—में सहायक सिद्ध होते हैं।

इस साहसिक यात्रा का संयोजन प्रो. संदेश काल्टा, सहायक आचार्य (पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग) तथा प्रो. लखबीर धीमान, सहायक आचार्य (पर्यावरण विज्ञान विभाग) द्वारा किया गया। दोनों संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों को नेतृत्व, अनुशासन और टीम भावना के साथ पर्वतीय यात्रा की व्यवहारिक सीख प्रदान की।

यात्रा का प्रारंभ 4 अक्तूबर की प्रातः 7 बजे हुआ, जब दल ने महाविद्यालय परिसर से बस द्वारा खटनोल गाँव के लिए प्रस्थान किया। लगभग दो घंटे की बस यात्रा के उपरांत विद्यार्थी जब पर्वतीय पगडंडी के आरंभिक बिंदु पर पहुँचे, तो उत्साह और उमंग से वातावरण गूंज उठा। लगभग 7 किलोमीटर लंबा और अनेक स्थानों पर खड़ी चढ़ाई वाला यह ट्रेक सुबह 10 बजे आरंभ हुआ।

घने देवदार और बुरांश के वृक्षों के बीच से गुजरते हुए विद्यार्थियों ने तीन घंटे की निरंतर चढ़ाई के बाद शाली माता मंदिर शिखर (9000 फीट से अधिक ऊँचाई) पर सफलता पूर्वक पहुँचकर इस आत्म-अनुभूति और साधना की यात्रा को पूर्ण किया। शिखर से चारों ओर फैली हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं और शिमला के सुंदर दृश्यों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहाँ पहुँचने पर विद्यार्थियों ने न केवल अपनी उपलब्धि पर गर्व महसूस किया, बल्कि मां शाली के दरबार में नतमस्तक होकर आध्यात्मिक शांति और आशीर्वाद का अनुभव किया।

छात्रों ने शाली माता मंदिर का ट्रैक किया पूरा

शिमला। राजकीय महाविद्यालय संजौली के 35 छात्र-छात्राओं ने शिमला के समीप स्थित शाली माता मंदिर शिखर तक तक ट्रैक पूरा किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो भारती भागडा ने इस साहसिक यात्रा के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया और कहा कि हम भी कर सकते हैं की भावना से परिपूर्ण यह ट्रैक आत्मविश्वास, साहस और सामूहिक ऊर्जा का प्रतीक है। इस यात्रा का संयोजन प्रो. संदेश काल्टा, सहायक आचार्य पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग तथा प्रो. लखबीर धीमान, सहायक आचार्य पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा किया गया। विद्यार्थियों ने 9500 फुट की ऊंचाई पर स्थित मंदिर से अद्भुत दृश्यावलोकन किया और आत्म-संतोष, साधना और अध्यात्म का अनुभव प्राप्त किया। दिव्य हिमाचल 6-10-25

विद्यार्थियों ने मंदिर परिसर में लगभग तीन घंटे तक समय व्यतीत किया, जहाँ उन्होंने स्थानीय लोक-विश्वासों, पर्वतीय संस्कृति और पर्यावरणीय संरक्षण के महत्व पर भी चर्चा की। यह समय केवल विश्राम का नहीं, बल्कि आत्म-मनन और सीख का भी अवसर रहा।

दोपहर 4 बजे दल ने वापसी यात्रा प्रारंभ की और शाम तक सभी विद्यार्थी सकुशल शिमला लौट आए। इस ट्रेक ने प्रत्येक प्रतिभागी को शारीरिक रूप से सशक्त, मानसिक रूप से दृढ़ और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध बनाया।

दैनिक भास्कर 6-10-25

न्यूज ब्रीफ

संजौली कॉलेज के 35 स्टूडेंट्स ने शाली माता मंदिर में टेका माथा

शिमला| संजौली कॉलेज के 35 छात्र शाली माता मंदिर के एडवेंचर ट्रैक पर गए। कॉलेज के एडवेंचर क्लब व जर्नलिज्म के छात्र इस ट्रैक यात्रा में शामिल हुए। कॉलेज प्रिंसिपल प्रो. भारती भागडा ने इस साहसिक यात्रा के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा आत्मविश्वास, साहस और सामूहिक ऊर्जा का प्रतीक रही। उन्होंने 27 छात्राओं की भागीदारी पर विशेष गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि संजौली की यह परंपरा रही है कि इस संस्थान के छात्र अनुभवजन्य शिक्षा और आत्म-विकास से जुड़े कार्यक्रमों में सदैव अग्रणी रहते हैं। यात्रा के संयोजक प्रो. संदेश काल्टा व प्रो. लखबीर धीमान मौजूद रहे। छात्र सुबह 7 बजे कॉलेज कैंपस से बस में खटनोल तक रवाना हुए। इसके बाद लगभग 7 किलोमीटर लंबा सफर पैदल तय किया। 10 बजे प्रारंभ हुई यह यात्रा तीन घंटे के भीतर 9500 फीट की ऊंचाई पर शाली माता शिखर पर पहुंची।

यह ट्रेक केवल एक पर्वतारोहण नहीं था—यह था 'अनुभव से शिक्षा' का वास्तविक रूप, जिसने विद्यार्थियों में साहस, अनुशासन, सामूहिकता, प्रकृति-प्रेम और आत्म-विश्वास की नई भावना जगाई।

— एडवेंचर क्लब और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग,
उत्कृष्ट शिक्षा केन्द्र, राजकीय महाविद्यालय संजौली, शिमला-06

Sandesh Kumar Kalta
Assistant Professor (JMC)
CoE GC Sanjauli
8628829382